उत्तर प्रदेश के सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए कई वर्षों के उपरान्त विगत एक महीना बहुत सुखद एवं अनेक आशाऍं जगाने वाला रहा है। राजनैतिक पार्टियॉं चुनाव पूर्व अनेक कसमें–वादे करती हैं परन्तु चुनाव जीतने के बाद उन पर अमल कम ही करती हैं ऐसी आम धारणा लोगों के मन में घर कर गई थी। परन्तु श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में बनी नई प्रदेश सरकार ने अपना कार्यभार सम्भालते ही न केवल अपनी घोषणाओं को अमली जाम पहनाना प्रारम्भ कर दिया है परन्तु आम नागरिकों के लिए अपनी समस्याऍं एवं सुझाव प्रस्तुत करने के लिए उपयुक्त मंच भी प्रदान किए जा रहे हैं।

खास तौर पर प्रदेश के सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमियों को यह आभास मिलना प्रारम्भ हो गया है कि अब कम से कम इस सेक्टर की महत्ता को समझा जाने लगा है। इन्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन जो प्रदेश में सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों का प्रतिनिधित्व करने वाला सबसे बड़ा संगठन है ने भी विगत एक माह में यह महसूस किया है कि नई सरकार में प्राशासनिक एवं राजनैतिक स्तर पर सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों के उत्थान हेतु प्रतिवद्धता है। इसका एक सजीव उदाहरण माननीय लद्यु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन राज्यमन्त्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भगवत शरन गंगवार जी एवं माननीय राज्यमन्त्री प्रोटोकॉल (मुख्यमंत्री उ0प्र0 से सम्बध) का 11 अप्रैल 2012 को आई0आई0ए0 में आकर लघु उद्यमियों एवं आई.आई.ए. द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों एवं सुझावों को ध्यानपूर्वक सुनना एवं उनके निस्तारण का आश्वाशन देना है। आशा है कि नई प्रदेश सरकार आने वाले समय में इसी तीव्रता एवं संजीदगी से प्रदेश के 31 लाख सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों के उत्थान हेतु कार्य जारी रखेगी। आई0आई0ए0 सरकार के इन प्रयासों में भरपूर सहयोग करेगा।

आई0आई0ए0 ने आज 26 वर्षों का लम्बा सफर तय कर लिया है। इन 26 वर्षों में आई0आई0ए0 की सदस्य संख्या एवं चैप्टरों का भी बहुत विस्तार हुआ है। आज हम न केवल अपने 5000 से अधिक सदस्यों का परन्तु देश और प्रदेश का सम्पूर्ण सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों का प्रतिनिधित्व कर उनके उत्थान के अनेक कार्य अपने केन्द्रिय कार्यालय एवं चैप्टर स्तर पर एसोसिएशन के Office Bearers की टीमों के माध्यम से कर रहे हैं। इन टीमों में आई.आई.ए. के लगभग 100 उद्यमी भाई अपना बहुमूल्य समय देकर लघु उद्यमों के लिए निःशुल्क एवं निस्वार्थभाव से कार्य कर रहे हैं।

इतनी बड़ी ''टीम किस प्रकार से एक जुट एवं एक मत होकर एक निर्धारित दिशा में कार्य करे'' विषय पर आई.आई.ए. ने पहली बार आई0आई0ए0 टीम के सदस्यों की दो दिवसीय कार्यशाला खजुराहों में ZDH-SEQUA के सहयोग से हाल ही में आयोजित की है। जिसमें टीम के 40 महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदार सदस्यों ने भाग लिया है। कार्याशाला में टीम के सदस्यों ने आई.आई.ए. के वर्तमान एवं भविष्य के बारे में भी सजीव एवं रोचक चित्रण किया है जो पाठकों को इस अंक में देखने को मिलेगा। कार्यशाला के उप्रान्त मैने आई.आई.ए. के वर्तमान एवं भविष्य के बारे में एक लेख प्रतियोगिता की भी घोषणा की है। मुझे खुशी है कि आई0आई0ए0 पदाधिकारियों ने इसमें रूची लेना प्रारम्भ कर दिया है और दो लेख इस अंक में प्रकाशित किये गये है।

श्री अरविन्द कौल (मैनेजमेन्ट गुरू) आई0आई0ए0 से बहुत समय से जुडे हैं और आई0आई0ए0 के हितैषी भी है।सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों के संगठनों में टीम का विकास कैसे हो पर उनका लेख भी पाठकों को इस अंक में लाभ पहुॅचाएगा। सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों के संगठनों के अन्दर ही नहीं परन्तु देश में स्थित अनेक ऐसे संगठनों को भी इस सेक्टर के उत्थान हेतु एक जुट एवं एकमत होकर कार्य करने की आवश्यकता है। इन संगठनों को संगठित करने का नेक कार्य ZDH-SEQUA विगत अनेक वर्षों से कर रहा है। इस कार्य में श्री अरूणाचलम् कीर्तिकयेन, प्रोजेक्ट डायरेक्टर ZDH-SEQUA की अहम् भूमिका एवं योगदान रहा है। श्री कीर्तिकयेन के अनुभवों पर भी एक लेख पाठकों को इस अंक में लाभान्वित करेगा।

कुल मिलाकर इस समय सरकार के कार्यों एवं आई.आई.ए. की गतिविधियों को देखतें हुए मैं बहुत आशावादी हुॅं कि आने वाला समय सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए सुनहरा समय सावित होगा।